पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समानता स्थिरता की तीन चिंताएँ हैं : भूपेंद्र यादव

पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समानता स्थिरता की तीन चिंताएँ हैं : भूपेंद्र यादव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार भारतीय उद्योग के लिए जलवायु लचीलापन निर्माण पर सीआईआई की रिपोर्ट का विमोचन नई दिल्ली १७ सितंबर २०२४ यह बहुत गर्व की बात है कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत ने पेरिस समझौते के ३ मात्रात्मक एनडीसी लक्ष्यों में से २ को निर्धारित समय से ९ साल पहले हासिल कर लिया है, यह जानकारी भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने १७ सितंबर २०२४ को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित १९वें स्थिरता शिखर सम्मेलन में बोलते हुए दी। इस विषय पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि स्थिरता का मूल विचार यह है कि संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए और उन्होंने कहा कि ऊर्जा वैश्विक स्तर पर अपनाए जा रहे विकास मॉडल की नींव है और इस रास्ते से पीछे नहीं हटना है। मंत्री ने कहा कि सभी के लिए सम्मानजनक जीवन प्राप्त करने के लिए ऊर्जा तक पहुंच बुनियादी है और आज बहस उत्सर्जन प्रबंधन पर नहीं बल्कि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की लागत पर होनी चाहिए; इसलिए स्थिरता एक सामाजिक लक्ष्य है। स्थिरता में पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समानता की तीन चिंताएँ शामिल हैं, और सभी सरकारी नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों और पहलों को इन तीनों के प्रति संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए तैयार किया जाना चाहिए। जनसांख्यिकी और उपभोग के बदलते स्वरूप के बारे में बात करते हुए, मंत्री ने साझा किया कि बिना सोचे-समझे उपयोग के बजाय सोच-समझकर उपभोग करने की आवश्यकता है। सरकार छात्रों से भोजन बचाओ; पानी बचाओ; ऊर्जा बचाओ; अपशिष्ट से मूल्य; ई-कचरे का प्रबंधन; स्वस्थ जीवन शैली और डीज़ पर पूर्ण प्रतिबंध जैसे प्रमुख विषयों पर डळऋए पर विचार ले रही है। ये विचार स्टार्ट-अप के लिए नए व्यवसाय मॉडल और नवाचारों का बीजारोपण करेंगे। अर्थव्यवस्था की स्थिरता के बारे में बात करते हुए, मंत्री ने साझा किया कि कई अपशिष्ट प्रबंधन नियम पहले ही ईपीआर के माध्यम से उद्योग के साथ साझा किए जा चुके हैं, लेकिन क्षेत्र-विशिष्ट अनुसंधान सहित परिपत्र अर्थव्यवस्था के संबंध में और अधिक काम करने की आवश्यकता है; पुनर्चक्रण योग्य बाजार में वृद्धि, प्रौद्योगिकियों तक पहुंच और कौशल निर्माण। मंत्री ने सीआईआई से इन उभरते क्षेत्रों में अपने काम को और गहन करने का आह्वान किया। विशेष पूर्ण सत्र के दौरान, माननीय मंत्री ने भारतीय उद्योग के लिए जलवायु लचीलापन निर्माण पर सीआईआई रिपोर्ट भी लॉन्च की। रिपोर्ट में भौतिक जलवायु जोखिम आकलन ढांचा शामिल है, जो भारतीय उद्योग को विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न क्षेत्रों में उपयुक्त अनुकूलन कार्यों को प्राथमिकता देने में मदद करने के लिए एक आवश्यक उपकरण है। रिपोर्ट में सरकार के लिए इस तरह की कार्रवाइयों की सिफारिश की गई है: खुली पहुंच वाली जलवायु और चरम मौसम घटना डैशबोर्ड; हरित और जलवायु-लचीले औद्योगिक पार्क और देश में अनुकूलन परियोजना वित्त पोषण में वृद्धि। सीआईआई के अध्यक्ष और आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री संजीव पुरी ने टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने, परिपत्र अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने, समय पर नीति जुड़ाव के माध्यम से पर्यावरण समर्थक व्यवहार परिवर्तन को प्रेरित करने के उद्देश्य से अनूठी पहल करने के लिए मंत्री को बधाई दी। भारतीय उद्योग के लिए जलवायु लचीलापन निर्माण पर रिपोर्ट के माध्यम से सीआईआई के शोध कार्य के बारे में साझा करते हुए, उन्होंने सुझाव दिया कि मौजूदा और पिछले डेटा के माध्यम से जोखिम मूल्यांकन की आवश्यकता है; एक परिष्कृत एआई-आधारित उपकरण जो पूर्वानुमान लगा सकता है, और एक सार्वजनिक उपयोगिता जो इस सभी डेटा को कैप्चर करती है और पूर्वानुमानों को साझा करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों से जुड़े जोखिमों का आकलन और समझ हो सके।ङ्कङ्कपर्यावरण स्थिरता के प्रति उपभोक्ता व्यवहार को प्रेरित करने के लिए चेएक्ऋउ के हालिया प्रयासों के बारे में बोलते हुए, उखख के महानिदेशक श्री चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारत स्थिरता में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गया है, जिसे सरकार की अद्वितीय, अभिनव और पथ-प्रदर्शक पहलों, कार्यक्रमों और योजनाओं द्वारा उत्प्रेरित किया गया है।ङ्कङ्कउखख द्वारा २००६ में स्थिरता शिखर सम्मेलन की शुरुआत की गई थी ताकि वैश्विक विनियमन और नीति सुधारों पर विचार-विमर्श के लिए एक सक्षम मंच बनाया जा सके और स्थिरता के क्षेत्र में अनुकरणीय प्रथाओं और प्रदर्शनों को उजागर किया जा सके। १९वां स्थिरता शिखर सम्मेलन: स्थिरता के प्रति जागरूक दुनिया के लिए परिवर्तन लाना, स्थायी परिवर्तन को आगे बढ़ाने में ठोस कार्यों पर विचार-विमर्श करेगा।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के माध्यम से आयुष मंत्रालय बदलाव लाएगा

एसएचएस २०२४ अभियान के तहत देश भर में ४१६ स्वच्छता गतिविधियों को चिन्हित किया गया

प्रविष्टि तिथि: १७ डएझ २०२४ ४:११झच् लू झखइ ऊशश्रहळ

देश भर में फैली अपनी सभी परिषदों और संस्थानों समेत आयुष मंत्रालय ने, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से साफ सफाई और स्वच्छता के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरूआत की है। 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' की थीम के तहत, इस अभियान में व्यावहारिक और सांस्कृतिक बदलाव दोनों पर फोकस किया जाएगा। अभियान के शुरूआती चरण के दौरान कुल ४१६ गतिविधियों को चिन्हित किया गया है, जिनके ज़रिए इस राष्ट्रव्यापी प्रयास के लिए आधार तैयार किया जाएगा।

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, आज, जब हम 'स्वच्छता ही सेवा' की शुरूआत कर रहे हैं, मुझे स्वच्छ भारत मिशन और सभी नागरिकों के लिए स्वच्छता, स्वास्थ्य और कल्याण के मूल्यों के प्रति आयुष मंत्रालय की प्रतिबद्धता जताते हुए गर्व हो रहा है। ये अभियान, जिसकी थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता है, हमारे उस अटूट भरोसे को दर्शाता है कि स्वच्छता केवल एक बाहरी अभ्यास नहीं, बल्कि हमारे आंतरिक अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिबिंब है। स्वच्छ भारत का मार्ग, हममें से हर व्यक्ति के हाथों से होकर जाता है। चाहे वह उचित अपशिष्ट प्रबंधन हो, स्वच्छता अभियान हो, या हमारे घरों और समुदायों में स्वच्छता सुनिश्चित करना हो, हर व्यक्ति की इसमें अहम भूमिका है। यह अभियान ऐसी बुनियाद पर खड़ा है, जिसमें हर नागरिक से इसमें न केवल भाग लेने की, बल्कि एक स्वच्छ और हरित भारत की ओर इस यात्रा को अपना मानकर इसमें शामिल होने की अपेक्षा की जाती है।

ये अभियान तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है और प्रत्येक स्तंभ को ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देने और सामूहिक प्रयासों के ज़रिए सार्थक प्रभाव डालने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पहले स्तंभ के रूप में, 'स्वच्छता में जन भागीदारी' , सार्वजनिक भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है, जिसमें स्वच्छता को एक साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया गया है। मंत्रालय ने 'स्वच्छता में जन भागीदारी' के तहत उद्देश्यों को पूरा करने के लिए १६९ गतिविधियों की पहचान की है। स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत से ही, इसकी सफलता सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित रही है, जहां हर नागरिक की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। मंत्रालय का मकसद, इस सिद्धांत को और गहरा करना है ताकि लोगों में अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय नेतृत्व के प्रति और ज़िम्मेदारी का भाव आ सके।

इस अभियान का समर्थन करने के लिए, इसमें नागरिकों को शामिल करने, उनकी समझ बढ़ाने और विभिन्न समुदायों को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता के मूल्यों को अपनाने हेतु प्रेरित करने के लिए राष्ट्रव्यापी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आयुष मंत्रालय के इस अभियान के दौरान स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, गैर सरकारी संगठनों, सीएसओ, उद्योगों और संघों को ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को स्वच्छता प्रयासों में उनकी भूमिका को देखने के नज़रिए में बदलाव आ सके।

संपूर्ण स्वच्छता पहल के तहत, स्वच्छता लक्ष्य एकयी सहित दूसरे महत्वपूर्ण स्तंभ सम्पूर्ण स्वच्छता के अंतर्गत आयुष मंत्रालय द्वारा स्वच्छता अभियान के लिए ६९ स्थानों का चयन किया गया है। इसका मकसद स्वच्छ और स्वस्थ स्थानों पर, उपेक्षित या चुनौतीपूर्ण स्थानों में बदलाव लाना है, जिन्हें अक्सर ब्लैक स्पॉट्स कहा कहा जाता है। इन स्थानों को नियमित स्वच्छता प्रयासों के दौरान प्रबंधित करना मुश्किल होता है, जिससे स्वास्थ्य और पर्यावरणीय जोखिम पैदा होने का खतरा रहता है।

यह अभियान मेगा स्वच्छता अभियान के ज़रिए, स्थानीय निकायों, खासकर गांवों में इन ब्लैक स्पॉट की चिन्हित करने और उनका निष्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि नागरिकों और भागीदार संगठनों दोनों में जागरुकता पैदा की जा सके।

तीसरा महत्वपूर्ण स्तंभ 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' है जो स्वच्छता कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण पर आधारित है, जिन्हें आमतौर पर सफाई मित्र के रूप में जाना जाता है। उनके प्रयासों का समर्थन करते हुए, काम करने के उनके हालातों में सुधार लाने के लिए १७८ गतिविधियों की चिन्हित किया गया है। निवारक स्वास्थ्य जांच के तहत, 'सफाई मित्रों' और उनके परिवारों तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इस बहुआयामी प्रयास के साथ, आयुष मंत्रालय सभी नागरिकों के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान, देश के, स्वच्छता को सबसे आगे रखने के संकल्प को और मजबूत करेगा, ताकि स्वच्छता देश के सांस्कृतिक ताने-बाने का एक स्थायी हिस्सा बन सके।

फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया और कोल इंडिया लिमिटेड ने कोल इंडिया के परिसरों में जन औषधि केंद्रों की स्थापना के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) और कोल इंडिया लिमिटेड ने आम जनता को किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां तथा सर्जिकल उपकरण उपलब्ध कराने के अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में प्रत्येक कोयला खनन क्षेत्र व चयनित अस्पतालों या कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्दिष्ट अथवा तय किए गए किसी भी उपयुक्त स्थान के परिसर में जन औषधि केंद्र खोलने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

ये केन्द्र निम्नलिखित स्थानों पर स्थित होंगे: -

क्रम संख्या

कोयला क्षेत्र सुविधा का नाम

स्थान सीआईएल-मुख्यालय (कोल इंडिया लिमिटेड)

कोलकाता, पश्चिम बंगाल

ईसीएल (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड)

सेंक्टोरिया, पश्चिम बंगाल

बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड)

धनबाद, झारखंड

सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड)

रांची, झारखंड सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड)